सलामे मोह़म्मदी ﷺ

चहेल मीम ग़ैर मन्कूत़ 19

मुरत्तिब

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

۷۸۶ ۹۲

सलामे मोह़म्मदी ﷺ

चहेल मीम ग़ैर मन्कूत़

19

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللہِ الْمَلِکِ السَّلٰمِ

ص م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

ص ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

ص م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

ص د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

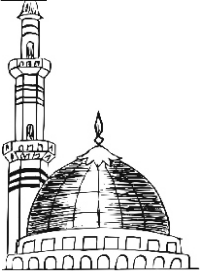

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

मुरत्तिब

बमौक़ा रमज़ान 1438हि0
बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم
मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

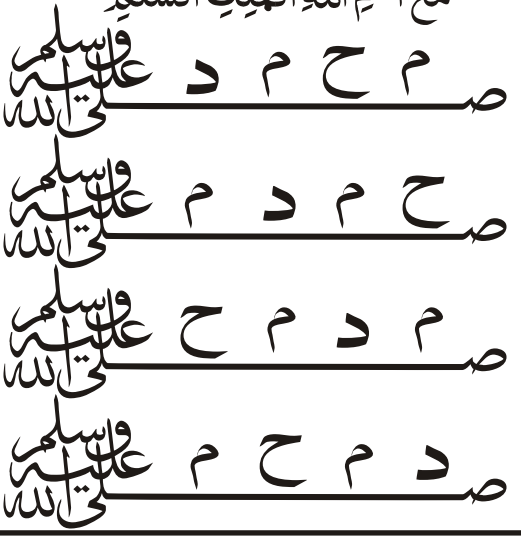

اس نقش کو دیکھنے والے کی ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहेल मीम ग़ैरमन्कूत़ (19)

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्म
ल कल ह़म्दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि
कामिलवँ व सल्लिम सलामन दाइमवँ व कर्रिम
क र मन सर्मदन अ़ला मौलाई रहूमि आ़लमि
क व मौला कुल्लिस़्साइमि व मा ऊह़ि य
कलामु क इला हु व व मुअ़त़ी आलाइ कुल्लि
आ़लमि क व मुमिद्दि कुल्लिल मलाइकि व
मुस्लिकि सिरात़ि क व हु व रसूलु क व सिर्रु
क मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि वस़ा र वालिदुहू अ़त्हरल
वालिदि वउम्मुहू अ़त्हरल उम्मि वआलुहू

अ़्हरल आलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही वकुल्लिउममि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

मुराद अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह सारी ह़म्द अल्लाह ही के लिए है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम हमारे मौला अल्लाह के सारे आ़लम की कमाले मेहर वाले के लिए वारिद हो और सारे सौ़म वालों के मौला के लिए हो और उस रसूल के लिए हो कि उसके लिए इलाही

कलाम वह़ी किए गए और अल्लाह के सारे आ़लम की अ़ता़ओं के मोअ़त़ी के लिए हो और सारे मलाइका के मददगार के लिए हो और अल्लाह की राह के हादी के लिए हो और वह अल्लाह के रसूल और सिर्र मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद कमाले तुहर वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तमाम तअ़रीफ़ तेरे ही लिए है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू ख़ूब ख़ूब कामिल दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम नाज़िल फ़रमा हमारे मौला अपने सारे जहान के मेहरबान पर और तमाम रोज़ादारों के आक़ा पर और उस ज़ात पर कि जिन की त़रफ़ तेरा पाक कलाम वह़ी किया गया और तेरे सारे जहान की नेअ़मतों के अ़त़ा करने वाले पर और सारे फ़िरिश्तों के मददगार पर और तेरे रास्ते पर चलाने वाले पर और वह तेरे रसूल और तेरा राज़ मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु)तमाम वालिद में सब से ज़्यादा पाकीज़गी वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सबसे ज़्यादा पाकीज़गी वाली हैं और

जिनकी आलो औलाद तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा पाकीज़गी वाले हैं और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो)आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा रदि़यल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहुअ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोई़नुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस़्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम ।

फ़ज़ीलते सलामे मोहम्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्कूत़ (19)

यह "सलामे मोहम्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्कूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीही तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना 100/11/5 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी इ़बादत में ज़ौक़ो शौक़ और ग़ौरो फ़िक्र की तौफ़ीक़ अ़ता होगी ग़ैर रोज़ादार को रोज़ा रखने की तौफ़ीक़ अ़ता होगी और रोज़ादारों के रोज़ों को शर्फ़े क़बूलियत मिलेगा अगर सेह़री व इफ़्तार के वक़्त पढ़े तो बे शुमार नेअ़मतों का ह़क़दार होगा उसे माहे रमज़ान के आदाब और जुम्ला फ़ुयूज़ो बरकात से नवाज़ा जाएगा और हर महीने में मुत्तक़ियों के अ़मल की तौफ़ीक़ और ख़ैरे

कसीर की दौलत ह़ासिल होगी वह जुम्ला बलीयात व आफ़ात और तमाम शरों से महफ़ूज़ हो जाएगा नीज़ उसे अहले बैत व स़ह़ाबए केराम की शफ़्क़तो मोह़ब्बत ह़ासिल होगी और उनका दीदार नस़ीब होगा ईमान पर ख़ातेमा होगा । इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com